समष्टि दोष कष्ट मुक्ति नाम संकल्प

एकादश हनुमान चालीसा पाठ

यह पवित्र साधना हनुमान जी की कृपा से जीवन के समस्त दोषों और कष्टों से मुक्ति दिलाने हेतु विशेष रूप से संकल्पित की गई है निरंतर एकादश (11 बार) हनुमान चालीसा का पाठ करके व्यक्ति अपने जीवन में आमूल-चूल परिवर्तन ला सकता है।

🔍 विशेष महत्व

1) समष्टि दोष निवारण

व्यक्तिगत, पारिवारिक और सामाजिक स्तर पर व्याप्त सभी दोषों का शमन करना इसमें ग्रह दोष, वास्तु दोष, कर्म दोष और पितृ दोष आदि सम्मिलित हैं।

2) कष्ट मुक्ति

जीवन में आने वाली समस्याओं, बाधाओं और संकटों से मुक्ति प्राप्त करना इसमें स्वास्थ्य, धन, रिश्ते और करियर संबंधी समस्याएं शामिल हैं।

3) एकादश पाठ की शक्ति

11 बार हनुमान चालीसा का पाठ करने से विशेष फल की प्राप्ति होती है और मनोकामनाओं की पूर्ति होती है।

4) शनिवार का विशेष महत्व

शनि देव की कृपा प्राप्ति और शनि दोष से मुक्ति के लिए शनिवार का दिन विशेष रूप से चुना गया है।

5) आध्यात्मिक उन्नति

हनुमान चालीसा के नियमित पाठ से मानसिक शुद्धता, भक्ति भावना में वृद्धि और आध्यात्मिक चेतना का विकास।

6) सामूहिक कल्याण

केवल व्यक्तिगत लाभ नहीं बल्कि समाज और राष्ट्र के कल्याण हेतु सामूहिक संकल्प का निर्माण।

🏛 साप्ताहिक एकादश हनुमान चालीसा साधना कार्यक्रम

➢ प्रथम (1st) शनिवार: आर्थिक समृद्धि हेतु

व्यापार, नौकरी और आर्थिक हानि से स्थायी कष्ट मुक्ति के लिए संकल्प करें:

- आर्थिक संकट, दरिद्रता, बेरोजगारी के लिए
- नौकरी या व्यापार में असफलता के लिए
- धोखा, झूठे वादों से नुकसान के लिए
- कोर्ट-कचहरी के मामले के लिए

➢ द्वितीय (2nd) शनिवार: पारिवारिक सुख हेतु

विवाह, बच्चे और परिवार की समस्याओं से कष्ट मुक्ति के लिए संकल्प करें:

- शादी में देरी, मांगलिक दोष के लिए
- दाम्पत्य जीवन में तनाव, परिवार या ससुराल में कलेश के लिए
- संतान प्राप्ति में बाधा, संतान से दूरी के लिए
- बच्चों की शिक्षा में बाधा, पढ़ाई में ध्यान न लगना के लिए
- पारिवारिक रिश्तों में तनाव के लिए

➢ तृतीय (3rd) शनिवार: स्वास्थ्य लाभ हेतु

रोग, व्याधि और पीड़ा से स्थायी कष्ट मुक्ति के लिए संकल्प करें:

- शारीरिक रोग (आँख, सिर, हृदय) के लिए
- हड्डी, नसों की समस्या के लिए
- त्वचा रोग, खून संबंधित रोग के लिए
- मानसिक तनाव, अकेलापन, डिप्रेशन के लिए

➢ चतुर्थ (4th) शनिवार: ग्रह दोष निवारण हेतु

ग्रह दोष के विकार से स्थायी कष्ट मुक्ति के लिए संकल्प करें:

- कालसर्प दोष के लिए
- राहु-केतु-शनि दोष (साढ़ेसाती, ढैय्या) के लिए
- पितृ दोष (ऊपरी संकट, छुपे हुए रोग) के लिए

➢ पंचम (5th) शनिवार: मनोकामना पूर्ति हेतु

मनोकामना पूर्ति के लिए संकल्प करें:

- घर, मकान, दुकान या फैक्ट्री बनाने के लिए
- वाहन प्राप्ति की मनोकामना के लिए
- विदेश यात्रा की मनोकामना के लिए
- मनचाहे जीवनसाथी या विशेष व्यक्ति से विवाह के लिए
- विशेष करियर या रोजगार की मनोकामना के लिए
- अन्य किसी विशिष्ट इच्छा पूर्ति की मनोकामना के लिए

✧ अपेक्षित लाभ

यह साधना भक्तों को शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक स्तर पर समग्र कल्याण प्रदान करने का उद्देश्य रखती है निरंतर पांच शनिवार तक इस साधना को करने से निम्नलिखित लाभ प्राप्त होते हैं:

- समस्त बाधाओं का निवारण
- मानसिक शांति और स्थिरता
- आर्थिक स्थिति में सुधार
- पारिवारिक सुख-शांति
- स्वास्थ्य लाभ
- आध्यात्मिक उन्नति
- मनोकामनाओं की पूर्ति

➡ END समापन

इस पवित्र साधना को पूर्ण श्रद्धा, विश्वास और नियमितता के साथ करने से हनुमान जी की असीम कृपा प्राप्त होती है। भक्त के जीवन में आने वाली समस्त बाधाएं दूर हो जाती हैं और जीवन में खुशहाली का प्रवेश होता है।

"जो सुमिरै हनुमान बलबीरा।
होय सिद्ध साधन सब मेरा॥